सतत् विकास लक्ष्यों में भारत की प्रगति: उपलब्धियां और चुनौतियां

भारत ने सतत् विकास समाधान नेटवर्क (SDSN) द्वारा इन आंकड़ों को प्रकाशित करना शुरू किए जाने के बाद से पहली बार सतत् विकास रिपोर्ट में शीर्ष 100 देशों में प्रवेश किया है। यह प्रस्तुति भारत की यात्रा का परीक्षण करती है, जिसमें देश के सतत् विकास मार्ग पर आगे बढ़ते हुए प्रमुख उपलब्धियों और ध्यान देने वाले क्षेत्रों को उजागर किया गया है।

by OJAANK IAS

भारत का एसडीजी रैंकिंग: एक स्थिर चढ़ाई

भारत ने स्थिर विकास रिपोर्ट रैंकिंग में महत्वपूर्ण प्रगति की है:

- 2016 में 157 देशों में से 110वें स्थान पर था
- 2024 में 167 देशों में से 99वें स्थान पर पहुंच गया
- आठ वर्षों में 11 अंकों का सुधार किया

यह सुधार बेहतर मानकों और अधिक विस्तृत तुलना को दर्शाता है, लेकिन अभी भी बाकी रहने वाली खाइयों को दूर करने के लिए काफी काम करना है।

गरीबी में कमी: उल्लेखनीय प्रगति

22%

गरीबी दर 2012

एनएसएसओ डेटा के आधार पर

12%

गरीबी दर 2023

विश्व बैंक का अनुमान

₹33

ग्रामीण गरीबी रेखा

प्रति दिन (रंगाराजन रेखा)

₹47

शहरी गरीबी रेखा

प्रति दिन (रंगाराजन रेखा)

भारत ने गरीबी कम करने (एसडीजी 1) में अच्छा प्रदर्शन किया है, जिसमें प्रॉक्सी डेटा से पता चलता है कि 2012 और 2023 के बीच गरीबी लगभग आधी हो गई है। हालांकि, इस प्रगति को 2018 के बाद से उपभोग व्यय डेटा की कमी और पुराने गरीबी रेखा मापदंडों के कारण विवाद से घिरा हुआ है।

अभी कॉल करें जानकारी के लिए - 8750711100/22/33/44/55

शून्य भूख: लगातार चुनौतियां

एसडीजी 2 (शून्य भूख) भारत के लिए एक महत्वपूर्ण चिंता बना हुआ है, जो आय समूहों और ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों के बीच पोषक आहार तक पहुंच में व्यापक असमानताओं को प्रकट करता है:

38.4%

2015-16 में कुपोषण

एनएफएचएस-4 डेटा

35.5%

2019-21 में कुपोषण

एनएफएचएस-5 डेटा

21.0%

2015-16 में क्षीणता

एनएफएचएस-4 डेटा

19.3%

2019-21 में क्षीणता

एनएफएचएस-5 डेटा

कार्यशील आयु वर्ग (15-49 वर्ष) में मोटापा 2006 और 2021 के बीच लगभग दोगुना हो गया है, जो मुख्य रूप से धनी शहरी क्षेत्रों में केंद्रित है, जो कुपोषण के द्विध्रुवीय बोझ को उजागर करता है।

ऊर्जा पहुंच: विद्युतीकरण में सफलता

सार्वभौमिक विद्युतीकरण

भारत ने पिछले दो दशकों में लगभग सार्वभौमिक घरेलू विद्युतीकरण हासिल किया है, जो एसडीजी 7 में महत्वपूर्ण प्रगति का चिह्न है।

नवीकरणीय ऊर्जा नेता

भारत दुनिया में चौथा सबसे बड़ा नवीकरणीय क्षमता तैनाती करने वाला देश है, जो मुख्य रूप से सौर और पवन ऊर्जा क्षेत्रों में है।

प्रभावशाली विद्युतीकरण कवरेज के बावजूद, क्षेत्रों और शहरी/ग्रामीण दोषों के आधार पर बिजली की गुणवत्ता और अवधि बहुत अधिक भिन्न होती है, जो निरंतर सुधार के क्षेत्रों को इंगित करती है।

बुनियादी ढांचा और डिजिटल समावेश

बुनियादी ढांचे की उपलब्धियां (एसडीजी 9)

- देश भर में तेजी से मोबाइल पहुंच
- यूपीआई-लिंक्ड डिजिटल भुगतान गेटवे के माध्यम से वित्तीय समावेश में सुधार
- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को जोड़ने वाली परिवहन नेटवर्क में सुधार

ये विकास एसडीजी 9 स्कोर में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं, आर्थिक वृद्धि और सामाजिक विकास के लिए एक आधार बनाते हैं।

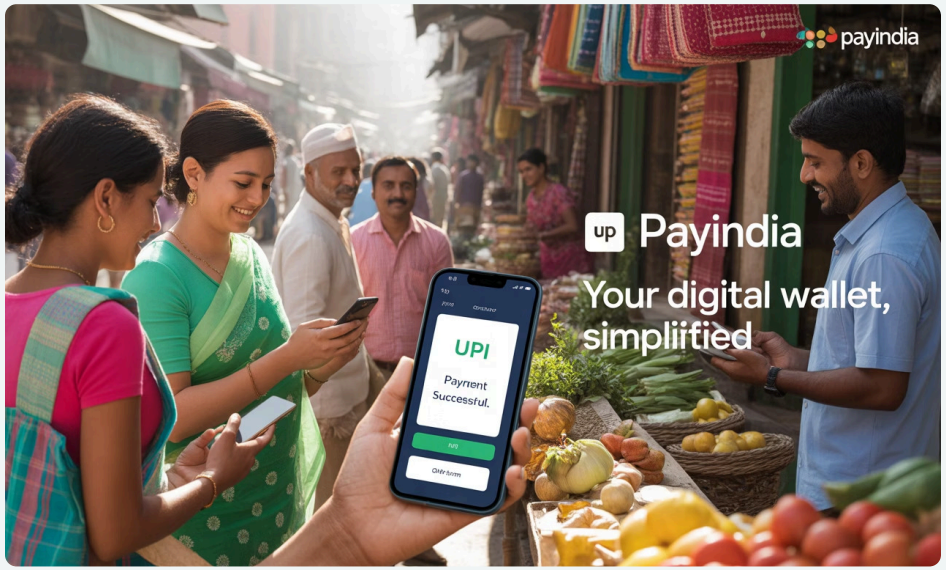

कोविड-19 ने ग्रामीण और शहरी इंटरनेट पहुंच के बीच कड़ी अंतर को उजागर किया, जिसे उच्च शैक्षिक परिणाम (एसडीजी 4) हासिल करने के लिए संबोधित किया जाना चाहिए।

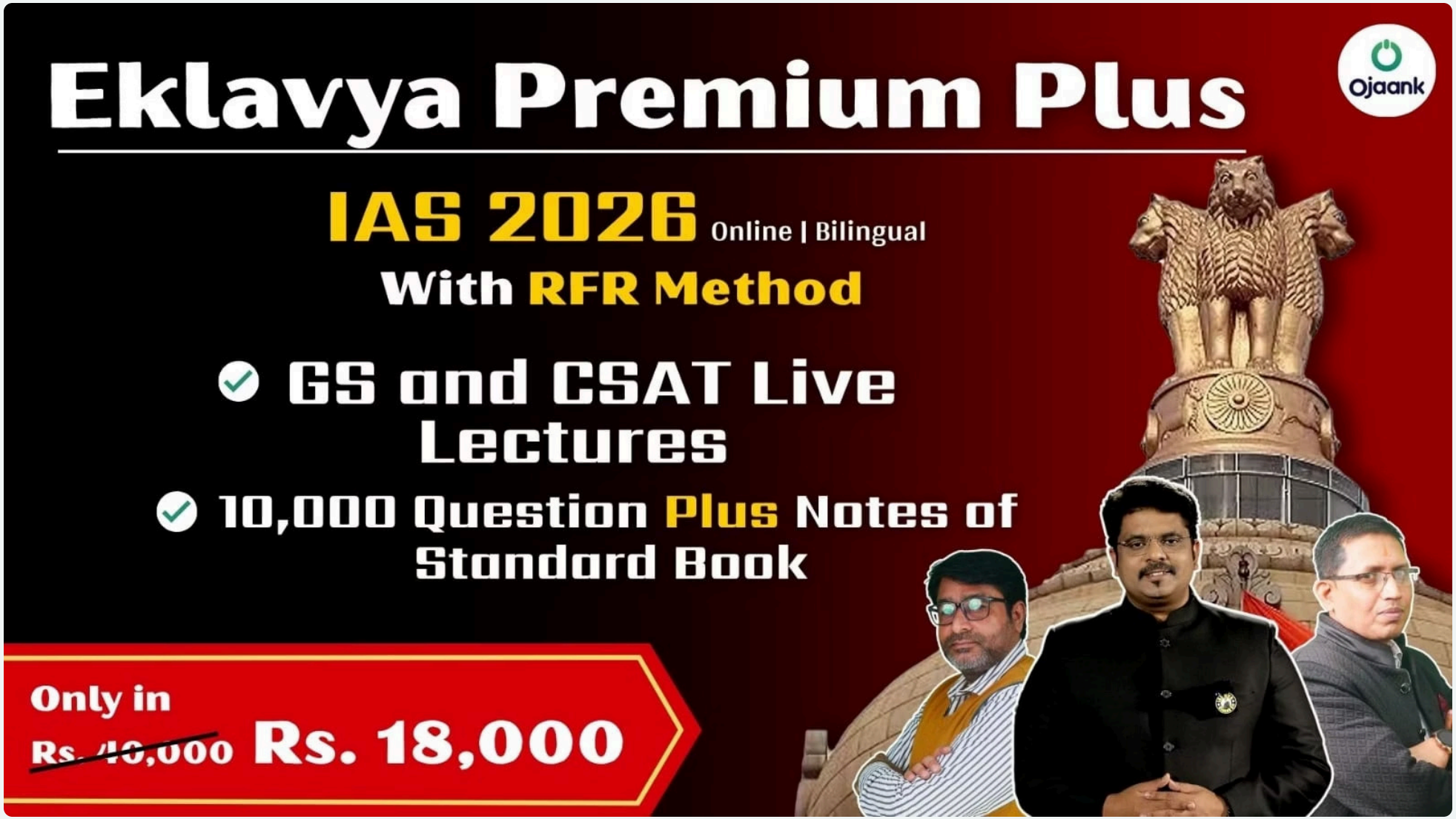

इस बैच की मुफ्त कक्षा में शामिल हों

लिंक - https://ojaankias.akamai.net.in/new-courses/569

शासन: एक पिछड़ा संकेतक

कानून के शासन की चुनौतियां

मोदी के वर्षों के दौरान, भारत का शासन और कानून के शासन मानदंडों में प्रदर्शन अन्य SDG क्षेत्रों के मुकाबले लगातार पिछड़ा रहा है।

प्रेस स्वतंत्रता चिंताएं

प्रेस स्वतंत्रता संकेतकों में गिरावट ने भारत के समग्र SDG 16 प्रदर्शन को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।

संस्थागत स्वतंत्रता

संस्थाओं की ताकत और स्वतंत्रता SDG रैंकिंग में प्रगति करने के लिए महत्वपूर्ण सुधार की मांग करती हैं।

आगे का रास्ता: असमानताओं को संबोधित करना

सुधार के प्रमुख क्षेत्र

- गरीबी मापन पद्धतियों को अपडेट करें और विश्वसनीय खपत डेटा एकत्र करें
- कुपोषण और सूखापन को संबोधित करने के लिए पोषण हस्तक्षेपों को त्वरित करें
- ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति की गुणवत्ता और विश्वसनीयता में सुधार करें
- शहरी और ग्रामीण समुदायों के बीच डिजिटल खाई को पाटें
- शासन, प्रेस की स्वतंत्रता और संस्थागत स्वायत्तता को मजबूत करें

भले ही भारत SDG रैंकिंग में शीर्ष 100 में प्रवेश करना सराहनीय है, लेकिन निरंतर प्रगति और समावेशी विकास के लिए क्षेत्रीय, ग्रामीण-शहरी और आय असमानताओं को संबोधित करने पर लगातार ध्यान देना आवश्यक है।

Ojaank Gurukul | IAS

Follow Ojaank Sir

Ojaank

IAS with Ojaank Sir

Ojaank_Sir

IAS with Ojaank Sir

Free PDF Content

पाने के लिए अभी JOIN करें

8285894079

8285894079